LANGUAGE WED, MAY 20, 2026 | UPDATED 08:30 PM IST NAIDUNIA JAGRAN JOSH HER ZINDAGI ONLYMYHEALTH JAGRAN TV VISHVAS NEWS INEXTLIVE JAGRAN REVIEWS

जागरण

सब्सक्राइब करें

होम ताज़ा ब्रेकिंग राष्ट्रीय दुनिया राशिफल बिजनेस क्रिकेट फोटो-स्टोरीज़ मनोरंजन अध्यात्म लाइफस्टाइल टेक-ज्ञान ऑटो पॉलिटिक्स Did You Know एक

फोकस ▸ बढ़ता यूपी IPL 2026 WB 10th Result 2026 मिडिल ईस्ट संकट VIT University Jagran Reviews हिंदी हैं हम स्मार्ट चॉइस

HINDI NEWS / MADHYA-PRADESH / BHOPAL

भोपाल में वेदान्त की गूंज, आत्मज्ञान को जीवन का केंद्रीय बिंदु बताया आचार्य प्रशांत ने

BY JAGRAN NEWS | EDITED BY: ANURAG MISHRA

UPDATED: FRI, 25 APR 2025 01:00 AM (IST)

महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए आचार्य प्रशांत ने कहा ''सशक्तिकरण केवल अधिकार या कानूनों से नहीं आता बल्कि तब आता है जब समाज महिलाओं को केवल उनकी जैविक पह ...और पढ़ें

Add as a preferred source on Google

आध्यात्मिक विचार अब पारंपरिक सीमाओं को पार कर समकालीन मंचों पर आ रहे हैं।

भोपाल। आधुनिक जीवन की उलझनों और वैश्विक संकटों के बीच वेदांत की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए प्रख्यात दार्शनिक, वेदांत मर्मज्ञ और लेखक आचार्य प्रशांत ने रविवार को भोपाल में दो विशिष्ट आयोजनों को संबोधित किया। ये आयोजन पीवीआर आइनॉक्स और मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रशांतअद्वैत फाउंडेशन के तत्वावधान में संपन्न हुए। विषय रहे, आत्मबोध, भगवद्गीता, जलवायु परिवर्तन, महिला सशक्तिकरण और आधुनिक जीवन की नैतिक चुनौतियां।

दिन का पहला आयोजन PVR INOX में हुआ, जहां आचार्य प्रशांत ने पहली बार वेदांत को सिनेमा जैसे आधुनिक माध्यम के ज़रिए प्रस्तुत किया। यह पहल दर्शाती है कि आध्यात्मिक विचार अब पारंपरिक सीमाओं को पार कर समकालीन मंचों पर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वेदांत कोई रूढ़ ग्रंथ नहीं, यह आज के विज्ञान, तर्क और जीवनशैली से जुड़ा हुआ दर्शन है। इसे सिनेमाघरों जैसे जनसुलभ मंचों पर लाकर हम इसे आम जनमानस तक पहुँचा सकते हैं।''

राज्य के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में हुए मुख्य व्याख्यान में आचार्य प्रशांत ने कहा, ''भगवद्गीता कोई पुरातन धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आज के हर व्यक्ति के भीतर चल रही लड़ाई का समाधान है। अर्जुन की दुविधा वही है जो आज के युवा के भ्रम, भय और असमंजस।'' उन्होंने आत्मज्ञान को जीवन का केंद्रीय बिंदु बताया और स्वयं को

होम राशिफल शॉर्ट वीडियो ई-पेपर राज्य चुनें

नहीं है, बल्कि खुद को जानना और संतुलित व सजग जीवन जीना है।"

यह वीडियो भी देखें

आचार्य प्रशांत ने जलवायु परिवर्तन पर आज की भोगवादी संस्कृति की तीव्र आलोचना की और कहा, "क्लाइमेट चेंज का असली कारण हमारी असंयमित इच्छाएं हैं। और इसका समाधान मात्र आत्मज्ञान है।" उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे उपभोग की होड़ से बाहर निकलें और पर्यावरण-जागरूकता को अपनाएँ।

खबरें और भी

'खुद का प्रभावी सूचना तंत्र करें विकसित',

सीएम मोहन यादव 9 अक्टूबर को मुंबई में उद्योगपतियों

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टरों

MP News : 'बैंक लॉकर' जैसा बना

कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सीएम

किडनी संक्रमण से प्रभावित बच्चों के

महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए आचार्य प्रशांत ने कहा, "सशक्तिकरण केवल अधिकार या कानूनों से नहीं आता, बल्कि तब आता है जब समाज महिलाओं को केवल उनकी जैविक पहचान से परे एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में देखना शुरू करता है।" उन्होंने कहा कि जब तक मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक समानता एक दिखावा ही बनी रहेगी।

दोनों आयोजनों में युवाओं ने आचार्य प्रशांत से गहन और निजी प्रश्न पूछे असंतोष, भविष्य की अनिश्चितता, धार्मिक भ्रम, और जीवन की दिशा को लेकर। आचार्य ने सभी प्रश्नों का उत्तर अत्यंत सहजता और स्पष्टता के साथ दिया। हर उत्तर केवल जानकारी नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और अनुभव पर आधारित रहा।

उल्लेखनीय है कि प्रशांतअद्वैत फाउंडेशन के माध्यम से चल रहा यह अभियान केवल धार्मिक या आध्यात्मिक चर्चा नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है, जो आधुनिक समाज को जागरूक, विवेकशील और संतुलित बनाने का प्रयास कर रहा है। IIT और IIM जैसे संस्थानों से शिक्षा प्राप्त आचार्य प्रशांत ने दिखाया कि तर्क और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

भोपाल के नागरिकों और छात्रों ने इस पूरे आयोजन को अत्यंत प्रेरणादायक और जीवनपरिवर्तनकारी बताया। आयोजकों के अनुसार, यह पहल आने वाले समय में अन्य शहरों में भी दोहराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक आत्मबोध और जागरूकता का यह संदेश पहुँचा सके।